



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 4, 1977 फाल्गुन 13, 1898

No. 40]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 4, 1977/PHALGUNA 13, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL.

New Delhi, the 4th March 1977

SUBJECT.—*Liberalisation of import policy for watch parts: Imports Policy for the licensing period April 1976—March 1977.*

No 15-ITC(PN)/77.—Attention is invited to the provisions made against Serial No 308(d)/IV indicated in Section IV of the Import Trade Control Policy Red Book (Vol. I) for the period April 1976—March 1977.

2 It has been decided to grant licences for import of parts of watches on liberal basis to the dealers in watches/watch parts who desire to import these items for repairs/maintenance of watches

3 The intending importers should submit applications in the form 'A' given in appendix 3 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1976-77, to the regional licensing authorities concerned in whose jurisdiction the applicant unit falls alongwith the application fee for appropriate amount. Import licences will be granted with a validity period of twelve months from the date of issue.

4 Import licences issued in terms of this public notice will not be valid for import of watch movements, watches in c.k.d. or s.k.d. conditions, gold watch cases and other watch cases whose cif value is less than Rs 60 00 per dozen.

A S GILL,
Chief Controller of Imports and Exports

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977

विषय.—घड़ी के पुर्जों के लिए आयात नीति का उदारीकरण : लाइसेंस अधिग्रहण अप्रैल 1976-मार्च 1977 के लिए आयात नीति ।

सं० 15-आई टी सी (पीएन)/77.—अप्रैल 1976-मार्च 1977 अधिग्रहण के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति रेड बुक (वा. 1) के खंड 4 में निर्दिष्ट क्रम सं० 308(डी)/4 के सामने दी गई शर्तों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

2. यह निश्चय किया गया है कि घड़ियों/घड़ी के पुर्जों के व्यापारी जो घड़ियों की मरम्मत/अनुरक्षण के लिए घड़ियों के पुर्जों का आयात करना चाहते हैं उन्हें इन मर्कों के आयात के लिए लाइसेंसों की मंजूरी उदार आधार पर पदान की जाए ।

3. इच्छुक आयातकों को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक 1976-77 के परिशिष्ट 3 में दिए गए प्रपत्र में अपने आवेदन पत्र शुल्क की यथोचित धनराशि के साथ उन सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को प्रस्तुत करते चाहिए जिनके अधिकार क्षेत्र में आवेदक एकक शामिल हैं । आयात लाइसेंस जारी होने की तारीख से 12 महीनों की वैधता अधिग्रहण के लिए जारी किए जाएंगे ।

4. इस सार्वजनिक सूचना के अनुसार जारी किए गए आयात लाइसेंस घड़ी के स्पन्दनों, पूर्णरूप से आघात प्राप्त या अर्ध-आघात प्राप्त दशाग्रो में घड़ियों, घड़ी के सोने के खोलों और घड़ी के अन्य खोल जिनका लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 60/- रुपये प्रति दर्जन से कम है, के आयात के लिए वैध नहीं होंगे ।

ए० एस० गिल,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977